Seminar on "Sewa Se Samaj Parivartan" Organized at CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 11-10-2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सेवा से समाज परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी आयोजित

'तन के साथ-साथ मन से भी युवा होना आवश्यक'

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में गुरुवार को विश्वविद्यालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा युवा और सेवा फाउंडेशन, हरियाणा प्रांत के सहयोग से एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने में सेवा के परिवर्तनकारी प्रभाव का पता लगाना था। 'सेवा से समाज परिवर्तन' विषय पर केंद्रित इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरियाणा प्रांत के प्रांत संघचालक प्रताप मुख्य वक्ता के रूप में तथा आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के सीईओ इंजीनियर मनीष राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य संरक्षक के रूप में रहे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक में आयोजित इस संगोष्ठी शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात युवा सेवा प्रांत कार्यकारिणी समिति के डॉ. गौरव ने स्वागत

भाषण प्रस्तुत किया। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रताप ने अपने संबोधन में निस्वार्थ सेवा के महत्व और समर्पित सामुदायिक कार्य के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने में आरएसएस जैसे संगठनों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मन एक ऐसा युवा है जो स्थाई रहता है। युवा केवल तन से ही युवा नहीं होना चाहिए बल्कि मन से भी युवा होना आवश्यक है तभी तन व मन की संयुक्त क्रिया से एक स्वस्थ विचार की रचना होती है। वही विचार एक स्वस्थ समाज का आधार बनता है।

विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत के नोडल ऑफिसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा व कार्यक्रम के समन्वयक, बी.वॉक. विभाग में सहायक आचार्य डॉ. सुनील कुमार ने सह-समन्वयक की भूमिका का निर्वहन किया। संगोष्ठी में जिला संघचालक कैप्टन हंसराज, विभाग प्रचारक जितेन्द्र, एस.डी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन जगदेव, शिक्षा भारती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन योगेश शास्त्री, नेशनल मॉडल स्कूल के चेयरमैन प्रमोद शास्त्री, बीएस आकोदा के चेयरमैन पवन तंवर, मोन्टेसरी सतनाली स्कूल के चेयरमैन बीड़ी शर्मा, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. कांति प्रसाद शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनीता तंवर, प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. रूपेश देशमुख, डॉ. विवेक बालियान, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. अनिल यादव, डॉ. दिनेश यादव, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत, डॉ. भूषण, डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ. अभिषेक शर्मा आदि मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Times **Date: 11-10-2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सेवा से समाज परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी आयोजित

सेवा भाव को जीवन में करना होगा आत्मसात : प्रताप।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को विश्वविद्यालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा युवा और सेवा फाउंडेशन, हरियाणा प्रांत के सहयोग से एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने में सेवा के परिवर्तनकारी प्रभाव का पता लगाना था। 'सेवा से समाज परिवर्तन' विषय पर केंद्रित इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरियाणा प्रांत के प्रांत संघचालक प्रताप मुख्य वक्ता के रूप में तथा आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के सीईओ इंजीनियर मनीष राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य संरक्षक के रूप में आयोजन की शोभा बढ़ाई।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक में आयोजित इस संगोष्ठी शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। तत्पश्चात युवा सेवा प्रांत कार्यकारिणी समिति के डॉ. गौरव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। आयोजन में मुख्य वक्ता श्री प्रताप जी ने अपने संबोधन में निस्वार्थ सेवा के महत्व और समर्पित सामुदायिक कार्य के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने में आरएसएस जैसे संगठनों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मन एक ऐसा युवा है जो स्थाई रहता है। युवा केवल तन से ही युवा नहीं होना चाहिए बल्कि मन से भी युवा होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद की भाषा में जो उद्धिष्ट और जागृत है वही युवा है।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता इंजीनियर मनीष राव ने कहा कि असफलता सभी के जीवन में आती है, लेकिन जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें असफलताओं का सामना करना होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी काम को प्रसन्न होकर करना चाहिए, चाहे वह कार्य कितना भी कठिन क्यों न हो। उन्होंने सफलता के लिए प्रोफेशन में प्रसन्नता के साथ आगे बढ़ने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने महात्मा गाँधी

का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने कैसे सेवा के जरिए समाज में परिवर्तन किए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य वक्ता व मुख्य अतिथि का सेवा के महत्त्व से विद्यार्थियों को अवगत कराने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केवल संसाधनों को बढ़ना ही विकास नहीं है, इसके लिए आमजन में स्वच्छता व सुंदरता का भाव होना भी आवश्यक है। इसके लिए कुलपति ने शिक्षा की आवश्यता पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति को जीवन के लक्ष्य को हासिल में मदद मिलती है। कुलपति ने कहा कि समाज व देश के प्रति अपने दायित्वों को समझे और ईमानदारी से उनका निर्वाह करे तो यह भी अपने आप में एक बड़ी सेवा है। हमें युवाओं और देश के विकास के लिए बिना किसी स्वार्थ के अपने देश की सेवा करनी चाहिए।

विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत के नोडल ऑफिसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने व कार्यक्रम के समन्वयक तथा बी.वॉक. विभाग में सहायक आचार्य डॉ. सुनील कुमार ने सह-समन्वयक की भूमिका का निर्वहन किया।

संगोष्ठी में जिला संघचालक कैप्टन हंसराज, विभाग प्रचारक जितेन्द्र, एस.डी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन श्री जगदेव, शिक्षा भारती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन श्री योगेश शास्त्री, नेशनल मॉडल स्कूल के चेयरमैन प्रमोद शास्त्री, बी एस आकोदा के चेयरमैन पवन तंवर, मोनटसरी सतनाली स्कूल के चेयरमैन बीडी शर्मा, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. कांति प्रसाद शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनीता तंवर, प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. रूपेश देशमुख, डॉ. विवेक बालियान, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. अनिल यादव, डॉ. दिनेश यादव, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत, डॉ. भूषण, डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ. अभिषेक शर्मा, डॉ. मोहित, शोधार्थी संगीता बी, अन्नू, प्रेरणा, हेम लता, मोनिका, काजल, भावना सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। संगोष्ठी के अंत में डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hello Rewari **Date: 11-10-2024**

हकेवि में सेवा से समाज परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी आयोजित

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। हकेवि महेंद्रगढ़ में गुरुवार को विश्वविद्यालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा युवा और सेवा फाउंडेशन, हरियाणा प्रांत के सहयोग से एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने में सेवा के परिवर्तनकारी प्रभाव का पता लगाना था। 'सेवा से समाज परिवर्तन' विषय पर केंद्रित इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरियाणा प्रांत के प्रांत संघचालक प्रताप मुख्य वक्ता के रूप में तथा आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के सीईओ इंजीनियर मनीष राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य संरक्षक के रूप में आयोजन की शोभा बढ़ाई।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक में आयोजित इस संगोष्ठी शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। तत्पश्चात युवा सेवा प्रांत कार्यकारिणी समिति के डॉ. गौरव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रताप ने अपने संबोधन में निस्वार्थ सेवा के महत्व और समर्पित सामुदायिक कार्य के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने में आरएसएस जैसे संगठनों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने

कहा कि मन एक ऐसा युवा है जो स्थाई रहता है। युवा केवल तन से ही युवा नहीं होना चाहिए बल्कि मन से भी युवा होना आवश्यक है तभी तन व मन की संयुक्त क्रिया से एक स्वस्थ विचार की रचना होती है। वही विचार एक स्वस्थ समाज का आधार बनता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और उद्यम सिंह का उदाहरण देकर युवाओं को कार्य के साथ-साथ अपना संकल्प पूरा करने के लिए प्रेरित किया। प्रताप ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की भाषा में जो उद्धिष्ठ और जागृत है वही युवा है। उन्होंने कहा कि सेवा बहुत बड़ा प्रकल्प है परंतु हमें अपने आसपास उपलब्ध विकल्पों को जीवन में धारण करना होगा और उसे साथ लेकर चलना होगा। प्रताप ने कहा कि युवा किसी भी समाज में कोई भी बदलाव लाने में सक्षम हैं परंतु जरूरी यह है कि उनकी ऊर्जा सकारात्मक क्षेत्र में लगे। उन्होंने कहा कि सेवा भाव को हमें अपने जीवन में आत्मसात करना होगा तभी सांस्कृतिक व स्वस्थ समाज की स्थापना कर सकेंगे। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता इंजीनियर मनीष राव ने कहा कि असफलता सभी के जीवन में आती है लेकिन जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें असफलताओं का सामना करना होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी काम को प्रसन्न होकर करना चाहिए, चाहे वह कार्य कितना भी कठिन क्यों न हो। उन्होंने सफलता के लिए प्रोफेशन में प्रसन्नता के साथ आगे बढ़ने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने महात्मा गाँधी का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने कैसे सेवा के जरिए समाज में परिवर्तन किए। इंजीनियर मनीष राव ने अपने संबोधन में समाज में सार्थक बदलाव लाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संस्थाओं के बीच सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य वक्ता व मुख्य अतिथि का सेवा के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केवल संसाधनों को बढ़ना ही विकास नहीं है, इसके लिए आमजन में स्वच्छता व सुंदरता का भाव होना भी आवश्यक है। इसके लिए कुलपति ने शिक्षा की आवश्यता पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति को जीवन के लक्ष्य को हासिल में मदद मिलती है। कुलपति ने कहा कि समाज व देश के प्रति अपने दायित्वों को समझे और ईमानदारी से उनका निर्वाह करे तो यह भी अपने आप में एक बड़ी सेवा है। हमें युवाओं और देश के विकास के लिए बिना किसी स्वार्थ के अपने देश की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने सभी सहयोगियों के प्रयासों की सराहना की और शैक्षणिक मंचों के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत के नोडल ऑफिसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने व कार्यक्रम के समन्वयक तथा बी.वॉक. विभाग में सहायक आचार्य डॉ. सुनील कुमार ने सह-समन्वयक की भूमिका का निर्वहन किया। संगोष्ठी में जिला संघचालक कैप्टन हंसराज, विभाग प्रचारक जितेन्द्र, एस.डी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चैयरमैन जगदेव, शिक्षा भारती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चैयरमैन श्री योगेश शास्त्री, नेशनल मॉडल स्कूल के चेयरमैन प्रमोद शास्त्री, बी एस आकोदा के चेयरमैन पवन तंवर, मोनटसरी सतनाली स्कूल के चेयरमैन बीडी शर्मा, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. कांति प्रसाद शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनीता तंवर, प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. रूपेश देशमुख, डॉ. विवेक बालियान, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. अनिल यादव, डॉ. दिनेश यादव, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत, डॉ. भूषण, डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ. अभिषेक शर्मा, डॉ. मोहित, शोधार्थी संगीता बी, अन्नू, प्रेरणा, हेम लता, मोनिका, काजल, भावना सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। संगोष्ठी के अंत में डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 11-10-2024**

हकेवि में सेवा से समाज परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी आयोजित

महेंद्रगढ़, 10 अक्तूबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गुरुवार को विश्वविद्यालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा युवा और सेवा फाउंडेशन, हरियाणा प्रांत के सहयोग से एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगाष्ठी का उद्देश्य सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने में सेवा के परिवर्तनकारी प्रभाव का पता लगाना था। 'सेवा से समाज परिवर्तन' विषय पर केंद्रित इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरियाणा प्रांत के प्रांत संघचालक प्रताप मुख्य वक्ता के रूप में तथा मनीष राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति टंकेश्वर कुमार ने मुख्य संरक्षक के रूप में आयोजन की शोभा बढ़ाई।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक में आयोजित इस संगोष्ठी शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। तत्पश्चात युवा सेवा प्रांत कार्यकारिणी समिति के डॉ. गौरव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता प्रताप ने निस्वार्थ सेवा के महत्व और समर्पित सामुदायिक कार्य के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने में आरएसएस जैसे संगठनों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मन एक ऐसा युवा है जो स्थाई रहता है। युवा केवल तन से ही युवा नहीं होना चाहिए बल्कि मन से भी युवा होना आवश्यक है तभी तन व मन की संयुक्त क्रिया से एक स्वस्थ विचार की रचना होती है। वही विचार एक स्वस्थ समाज का आधार बनता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और उद्यम सिंह का उदाहरण देकर युवाओं को कार्य के साथ-साथ अपना संकल्प पूरा करने के लिए प्रेरित किया। प्रताप ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की भाषा में जो उद्धिष्ठ और जागृत है वही युवा है। उन्होंने कहा कि सेवा बहुत बड़ा प्रकल्प है परंतु हमें अपने आसपास उपलब्ध विकल्पों को जीवन में धारण करना होगा और उसे साथ लेकर चलना होगा। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता मनीष राव ने कहा कि असफलता सभी के जीवन में आती है लेकिन जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें असफलताओं का सामना करना होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी काम को प्रसन्न होकर करना चाहिए, चाहे वह कार्य कितना भी कठिन क्यों न हो। उन्होंने सफलता के लिए प्रोफेशन में प्रसन्नता के साथ आगे बढ़ने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने महात्मा गाँधी का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने कैसे सेवा के जरिए समाज में परिवर्तन किए। इंजीनियर मनीष राव ने अपने संबोधन में समाज में सार्थक बदलाव लाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संस्थाओं के बीच सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।